Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to declare income of dairy sector as Agriculture income - laid.

श्री देवजी पटेल (जालौर): ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 70 प्रतिशत मवेशी छोटे, मझौले और सीमान्त किसानों के पास हैं, जिसकी पारिवारिक आमदनी का बहुत बड़ा हिस्सा दूध बेचने से प्राप्त होता है । डेयरी की प्रगति से ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अधिक संतुलित विकास होगा । दूध ग्रामीण इलाकों में रहने वालों के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा के साथ ही जीवन की सुरक्षा भी देता है । दूध देने वाली एक गाय या भैंस पालना किसानों को आत्महत्या करने तक से बचा सकता है । आज डेयरी उद्योग कई तरह की परेशानियों से जूझ रहा है- संगठित डेयरी फार्म का अभाव, निवेश की कमी, मशीनों और उपकरणों की ऊंची कीमतें । दूध जल्द खराब होने वाला प्रोडक्ट है इसलिए प्रोसेसिंग और उसे पाउडर, बटर, घी, पनीर जैसे लंबे समय तक चलने वले प्रोडक्ट्स में बदलना लग्जरी नहीं बल्कि जरूरत है । अतः डेयरी फार्म से आने वाली आय को कृषि आय घोषित की जाए ।